समीक्षा

2021– 2022

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

फ़ोन नं0 – 9410796757/ 8859781146

E:info@umang-himalaya.comwww.umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा पैन हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करना है।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक सुनिशचित किया गया है। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचाने में सहायक हुआ है।

अपने निर्धारित लक्ष्य के आधार पर उमंग अपने उत्पादक सदस्यों को पंद्रह हज़ार रूपया प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित करा पाने के लिए कार्यरत है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

झलकियां

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने वर्ष 2021–22 के लिए **फ़ेयर ट्रेड**/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

वर्ष 2020–21 के दौरान उमंग द्वारा पहली बार बुनाई उत्पादों की विदेश में बिक्री के लिए प्रयासों के अंतर्गत **मोजो पाण्डा एक्ज़िम प्राइवेट लिमिटेड** कंपनी के साथ अनुबन्ध व विभिन्न उत्पादों को साझा किया गया। इन प्रयासों के चलते उमंग ने (The Global Organic Textile Standard -GOTS) ***वैश्विक जैविक कपड़ा मानक*** का प्रमाणीकरण भी प्राप्त किया। इस प्रमाणीकरण के अंतर्गत कपड़ा व अन्य पहनने वाले उत्पादों के लिए कुछ वैश्विक जैविक मानक निर्धारित किये गये हैं।

माउंटेन हाई कम्पनी वर्ष **2016** से उमंग के उत्पादों के विस्तार के लिए काम कर रही है समीक्षा वर्ष के दौरान मउंटेन हाई द्वारा 7 देशों में **₹ 95,000** (पच्चानबे हजार) के ऊन के व **₹4,56,000** (चार लाख छप्पन हजार) के हिमखाद्य के उत्पाद बेचने में मदद की गयी।

समीक्षा वर्ष के दौरान प्राकृतिक खेती, बीज, जल, जंगल के प्रयासों को प्रोत्साहित करते हुए **द इनवायरमेंटल एन. जी. ओ. अर्थ डे नेटवर्क संस्था** की ओर से उमंग द्वारा प्रोत्साहन प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया है।

दिनांक 10 दिसम्बर 2021 को इंटरनेशनल माउंटेन डे 2021 के अवसर पर महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड को कोविड के दौरान उसके सराहनीय कार्यों के लिए **ICIMOD संस्था**, नेपाल द्वारा Dr. Andreas Schild Memorial Mountain Prize 2021 दे कर सम्मानित किया गया। यह समारोह काठमाण्डु में आयोजित किया गया, इसमें भविष्य में पहाड़ी क्षेत्रों में पयर्टन को बढ़ावा देने के विषय पर चर्चा की गयी। उमंग से जूम मीटिंग के माध्यम से उमंग के प्रबनध निदेशक द्वारा कोविड के दौरान किये गये कार्यों को बताते हुए यह सम्मान स्वीकारा गया तथा ₹ **1,86,950** (एक लाख छियासी हज़ार नौ सौ पचास) रूपया इनाम के तौर प्राप्त किया गया।

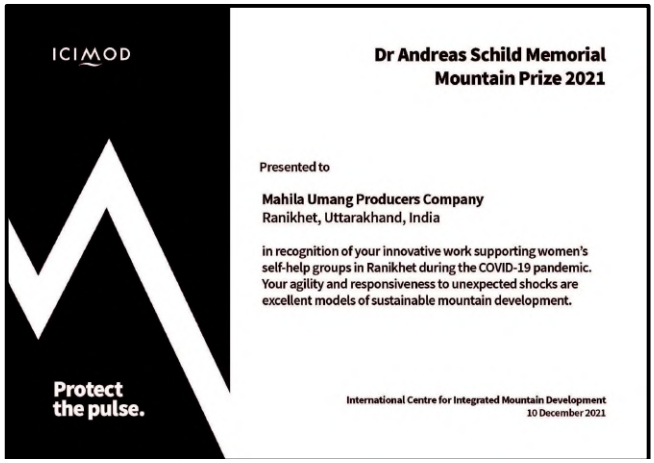

उमंग ने कोविड के दौरान आर्थिक कमजोरी से जूझते हुए परिवारों की मदद हेतु 5 ब्लॉक के 66 गाँव की 90 महिलाओं को दान कर्ताओं द्वारा ₹ **10,80,000** (दस लाख अस्सी हजार) नक़द रूपया प्राप्त करवाने में अहम् भूमिका निभाई इसके अतिरिक्त महिलाओं के उद्यम विकास हेतु 2 परिवारों में पशुपालन, 2 परिवारों में बकरी पालन के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध करवायी व ज्यूड़ा गाँव की आशा देवी और बनोलिया गाँव की कला देवी के मकान पुनर्निर्माण में भी सहायता की।

कोविड के दौरान **''सोसाइटी फॉर हिमालयन एनवायरमेंट एंड जिओलॉजी, बेरीनाग''** द्वारा उमंग की सहायता से स्वास्थ्य सेवा हेतु 1 कोविड किट, 10 ग्रामीण किट व 2 स्वास्थ्य कर्मचारी

(आशा) किट तथा कोवड में उपयोग होने वाली विभिन्न सामग्री अलग अलग क्षेत्रों के 13 गाँव के प्राथमिक चिकित्सालयों और गाँव के लोगों में बांटा गया।

वर्ष 2021–22 में उमंग द्वारा प्रकृतिक संवर्धन के संदर्भ में प्लास्टिक के उपयोग को त्यागने हेतु एस0 एच0 जी0 सदस्यों द्वारा उमंग के ग्राहकों के उपयोग के लिए कपड़े के थैले बनवाये जिससे इन महिलाओं ने **₹ 38,000** (अड़तीस हज़ार) आय अर्जित की।

वर्ष 2021–22 में उमंग द्वारा अपने अंशधारकों व समूह के सदस्यों से संबंध को सदृढ़ करने व उमंग के ढांचे में सुधार हेतु अतिरिक्त प्रयास भी किये गये जिसके अंतर्गत विभिन्न समूहों व लीडरों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त रूप से समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **68** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **18** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक संचित रूप से **102** अंशधारक स्वयं सहायता समूहों के **881** सदस्य कार्यरत हैं।

आदान प्रदान

ली शे क्रो चिज़ामी वीव्ज संस्था, नागालैण्ड ने अपना एक नया एफ0 पी0 ओ0 बनाने की कोशिश के चलते ज्ञान के आदान प्रदान हेतु उमंग से संपर्क कर 5 लोगों का ग्रुप भ्रमण हेतु भेज कर उमंग की पूरी कार्य प्रणाली को समझा व अपने क्षेत्र में काम करने के लिए स्वयं को उत्साहित पाया।

समीक्षा वर्ष के दौरान संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (United Nations Development Program - UNDP) और उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका अभियान (Uttarakhand State Rural Livelihood Mission (USRLM) की ओर से आजीविका पर स्वयं सहायता समूहों की क्षमता वृद्धि कार्यक्रम के अंतर्गत, पैन हिमालयन ग्रासरूट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन, कालिका और एक्सेस लाइवलीहुड, हैदराबाद (Access Livelihooh-ALC) के सहयोग से उमंग के कार्यकर्ताओं द्वारा उत्तराखण्ड के 5 ज़िलों (पौड़ी गढ़वाल, नैनीताल, देहरादून, उधम सिंह नगर, व चमोली) के विभिन्न क्षेत्रों में जा कर दूर दराज की ग्रामीण समूहों की महिलाओं को 14 विभिन्न आजीविका कार्यक्रमों पर प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं में सहभाग किया गया। इसके चलते हमारा संपर्क स्वयं सहायता समूहों की 694 महिलाओं से हुआ। इस प्रकार उमंग को अपने कार्य विस्तार का मौका मिला।

विगत वर्षों की भांति इस बार भी उमंग ने फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) की वार्षिक आम सभा, दिल्ली में प्रतिभाग किया। इस सभा में सभी सदस्य प्रोड्यूसर्स कम्पनियों की ई–कॉमर्स तथा महिला ई–हाट के द्वारा उनके उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के प्रयास करने की बात की गयी।

फेयर ट्रेड फोरम इण्डिया द्वारा चालित स्त्री परियोजना के अंतर्गत रंगसूत्र क्राफ्ट इण्डिया लिमिटेड संस्था द्वारा उमंग को महिलाओं की क्षमता वृद्धि हेतु आमंत्रित किया गया यह कार्यशाला कश्मीर के श्रीनगर में स्थित नूरूआरी उत्पादक कम्पनी की 15 महिलाओं के साथ संपन्न की गयी।

इसके अलावा चेष्टा संस्था, ज्योलीकोट व खिली बुरांश स्वयं सहायता समूह, बेतालघाट की महिलाओं द्वारा क्षमता वृद्धि हेतु उमंग का भ्रमण किया गया।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया की गयी। जिसके परिणाम स्वरुप संचित रुप से अब तक कुल **163** समूह क्रियाशील हैं इनमें कुल **2,494** (दो हज़ार चार सौ चौरानबे) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त तक इन समूहों के कोष में ₹ **89,59,621** (नवासी लाख उनसठ हजार छः सौ इक्कीस) जमा है।

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा इस समीक्षा वर्ष के दौरान ₹ 33,80,280 (तैंतीस लाख अस्सी हज़ार दो सौ अस्सी) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ₹ 9,261** (नौ हज़ार दो सौ इकसठ) **की बचत हुई।** जिस पर समूहों को ₹ **3,00,939** (तीन लाख नौ सौ उन्तालीस) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ। इस वर्ष **304** महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ **71,58,860** (इक्हत्तर लाख अट्ठावन हज़ार आठ सौ साठ) ऋण लिया, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ **4,91,952** (चार लाख इक्यानबे हज़ार नौ सौ बावन) ब्याज के रूप में अर्जित किया। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

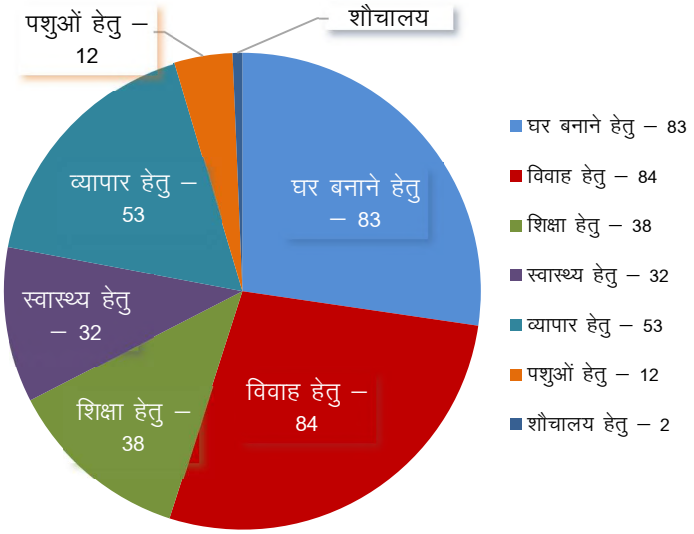

बचत एवं ऋण के साथ–साथ **समीक्षा वर्ष 2021–22** में उत्तराखण्ड के 85(52%) स्वयं सहायता समूहों के 608(24%) सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं।

वर्ष 2020–21 की भांति कोविड के चलते आर्थिक सहायता हेतु **2021–22** में भी 64 समूहों की 1,011 महिलाओं द्वारा अपने समूहों के खाते से बचत राशि ₹ **50,05,266** (पचास लाख पांच हज़ार दो सौ छियासठ) आपस में निजी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वितरित की गयी।

समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से स्थानीय पेड़ों के रखरखाव व थावले बनाने का काम जारी रखा गया। इसके अलावा खाल चाल की मरम्मत, जंगल को आग से बचाने के प्रयास भी जारी रहे।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः पांच व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय ₹	प्रति सदस्य औसत आय ₹
			मात्रा	मूल्य ₹		
1	बुनाई	389	7,550 पीस	41,62,229	18,48,244	4,751
2	ताना बाना	5	631 पीस	3,06,122	1,23,320	24,664
3	फल संरक्षण	108	7,202 कि0	12,77,661	2,90,736	2,692
4	हिमखाद्य	351	18,815 कि0	36,74,974	20,88,054	5,949
5	शहद	5	2,544 कि0	6,35,610	4,42,350	88,470
	कुल			**1,00,56,596**	**47,92,703**	

उमंग के द्वारा वर्ष 2021–22 के दौरान कुल 703 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में व 21 प्रतिशत प्रतिभागी (148) सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान%
1	बुनाई एवं ताना बाना	66,98,617	58,91,013	50
2	फल संरक्षण	26,08,305	21,06,320	18
3	हिमखाद्य	34,03,477	27,72,634	24
4	शहद	11,78,948	10,02,194	8
	कुल	**1,38,89,347**	**1,17,72,161**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 7 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹1,17,72,161 (एक करोड़ सत्रह लाख बहत्तर हज़ार एक सौ इकसठ) की। वित्तीय वर्ष में ₹2,97,865 (दो लाख सत्तानबे हज़ार आठ सौ पैंसठ) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.	विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग, नैनी	36,57,834	32,92,051	28
2	हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल	5,68,445	5,68,445	5
3	फैब इंडिया	12,29,076	12,29,076	10.4
4	प्रदर्शनियां	23,930	23,930	0.2
5	जयपोर ऑनलाइन वेब पोर्टल	7,39,339	5,17,537	4.4
6	ई–कामर्स द्वारा ऑनलाइन सेल	12,36,588	10,51,100	9
7	अन्य रिटेल के माध्यम	64,34,135	50,90,022	43
	कुल	**1,38,89,347**	**1,17,72,161**	**100**

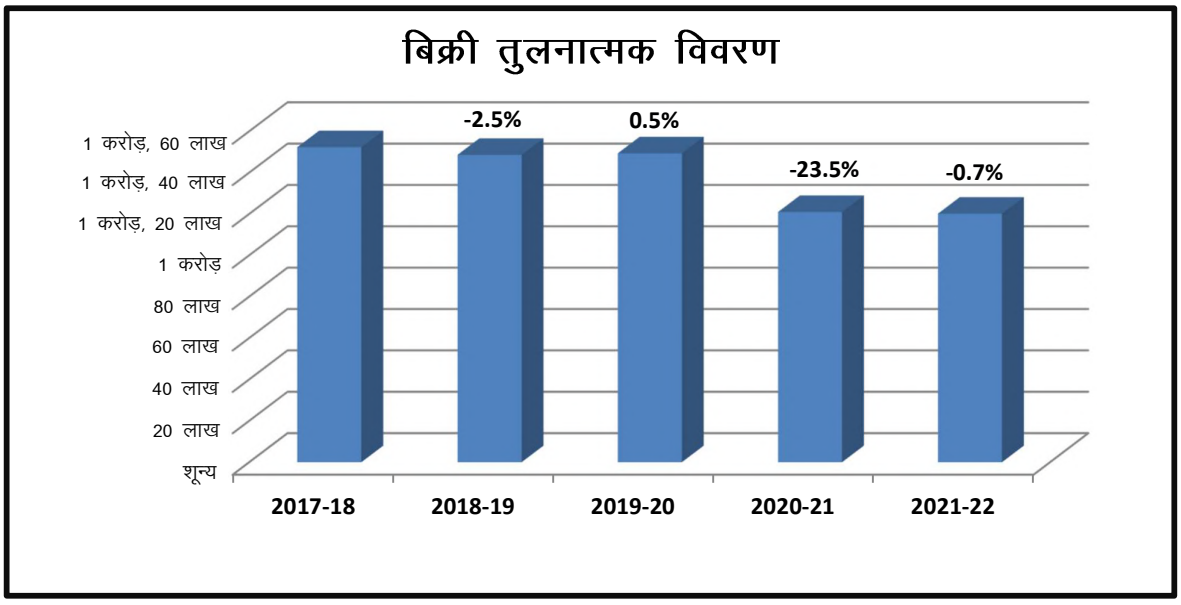

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **54** महिला स्वयं सहायता समूहों की **389** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में **₹17,30,725 (सत्रह लाख तीस हज़ार सात सौ पच्चीस)** आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं ने अपने समूहों के उत्पादन के आधार पर **₹ 1,17,519 (एक लाख सत्रह हज़ार पांच सौ उन्नीस)** की अतिरिक्त आय अर्जित की। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **31 प्रतिशत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

मोजो पाण्डा के साथ अनुबन्ध के चलते वर्ष 2021–22 में उमंग के बुनाई व्यवसाय के अंतर्गत महिलाओं ने अपने हाथ के बुने उत्पादों को निर्यात हेतु तैयार किया।

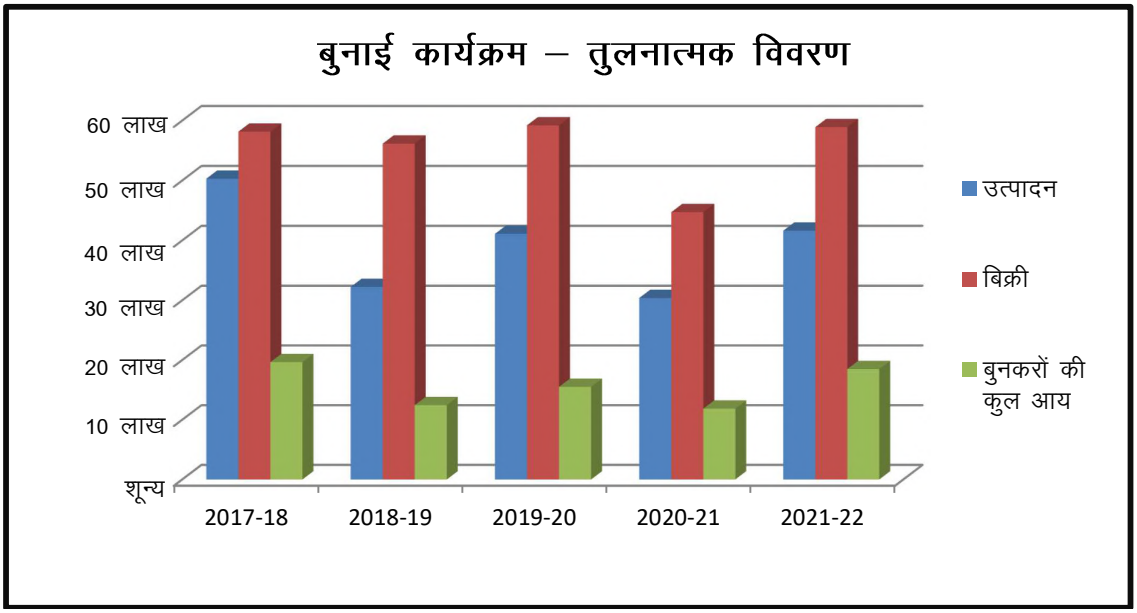

ताना बाना

वर्ष 2017–18 के दौरान बुनकरों को आजिविका के नये अवसर प्रदान करने के लिए ताना–बाना की शुरूआत की गयी थी। इसके अंतर्गत वर्ष 2021–22 में **5** बुनकरों द्वारा कुल **631** पीस बुने गये जिनका उत्पादन मूल्य **₹ 3,06,122 (तीन लाख छः हज़ार एक सौ बाईस)** रहा। जिससे इन बुनकरों ने **₹ 1,23,320 (एक लाख तेईस हज़ार तीन सौ बीस)** की आय अर्जित की।

बुनाई कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका								
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय ₹	लीडर आय ₹	कुल आय ₹
1	गगास अन्य	4	67	5	1,744	5,47,180	33,786	5,80,996
2	कुजगढ़	6	82	8	2,718	4,69,740	33,431	5,03,171
3	दुसाद	6	95	16	660	2,54,510	21,435	2,75,945
4	पनाई	2	34	7	1,191	1,69,240	6,684	1,75,924
5	सोमेश्वर	3	29	3	343	1,41,340	11,367	1,52,707
6	कोसी	3	44	4	508	86,760	6,259	93,019
7	कनाड़ी	6	27	7	262	48,385	3,595	51,980
8	माल्यागाड़	1	10	4	124	13,570	962	14,532
	कुल	**31**	**388**	**54**	**7,550**	**17,30,725**	**1,17,519**	**18,48,244**

बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर						
विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
शहरी क्षेत्र	प्रथम	निरंतर समूह (रायस्टेट)	गगास अन्य	1,84,660	18	10,259
	द्वितीय	ज्योति समूह (मालरोड)	कुजगढ़	71,530	7	10,219
	तृतीय	लक्ष्य समूह (मालरोड)	कुजगढ़	88,755	9	9,862
ग्रामीण क्षेत्र	प्रथम	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	1,24,810	14	8,915
	द्वितीय	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	55,520	7	7,931
	तृतीय	कल्पना समूह (देवीढुंगा)	कुजगढ़	74,110	15	4,941

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य– शहरी क्षेत्र						
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय ₹
प्रथम	अन्जना कुमारी	415	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	146	25,130
द्वितीय	मुन्नी रावत	923	ज्योति समूह (मालरोड)	कुजगढ़	152	23,910
तृतीय	उमा साह	440	निरंतर समूह (राय स्टेट)	गगास अन्य	112	22,405
चतुर्थ	हेमा पाण्डे	1679	सृष्टि समूह (चिलियानौला)	गगास अन्य	32	21,145
पंचम्	भावना सती	24	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	183	21,030

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य– ग्रामीण क्षेत्र						
प्रथम	गीता देवी	298	कल्पना समूह (देवीढुंगा)	कुजगढ	114	17,160
द्वितीय	सरिता बिष्ट	2331	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	78	16,280
तृतीय	हेमा पन्त	2326	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	75	15,870
चतुर्थ	लता पन्त	2325	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	77	15,660
पंचम्	इन्द्रा कबडवाल	747	प्रगति समूह (उभ्याड़ी)	दुसाद	49	13,665

समीक्षा वर्ष **2021–22** में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली **388** महिलाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **22** महिला स्वयं सहायता समूहों के **108** किसान परिवारों से **₹ 2,90,736 (दो लाख नब्बे हज़ार सात सौ छत्तीस)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। संचित रूप से नैट बिक्री का **14** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

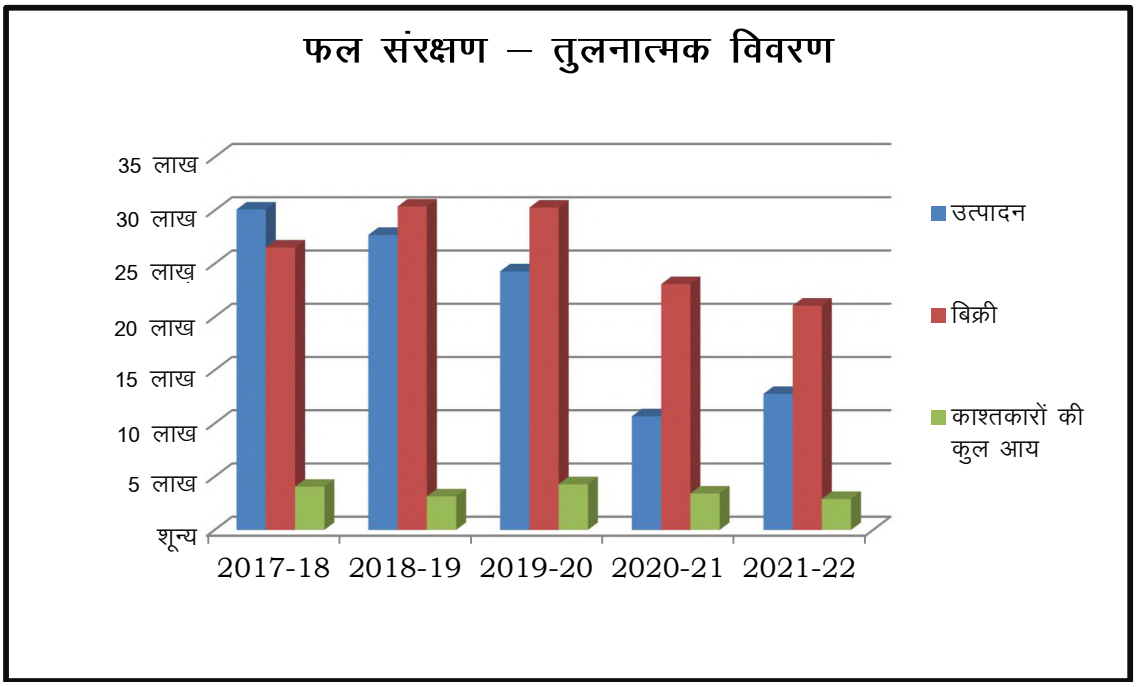

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका							
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹
1	हैडवाटर्स	3	3	20	20	1,313	61,462
2	अन्य	3	—	4	—	674	50,082
3	पनाई	3	6	29	25	1,320	44,740
4	कोसी	3	3	27	27	1,307	36,621
5	कुजगढ़	3	1	6	6	937	26,940
6	दुसाद	2	3	3	3	373	7,460
7	माल्यागाड़	3	4	4	4	285	4,086
8	कनाड़ी	1	1	3	3	55	1,395
9	गगास अन्य	1	1	2	1	53	425
कुल (उत्तराखण्ड)		**22**	**22**	**98**	**89**	**6,317**	**2,33,211**
10	हिमाचल	3	—	10	4	885	57,525
कुल		**25**	**22**	**108**	**93**	**7,202**	**2,90,736**

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर					
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	सिद्धि विनायक (रतखाल)	हैडवाटर्स	32,383	8	4,048
द्वितीय	ज्योति समूह (कूल)	कोसी	10,112	6	1,685
तृतीय	किसान समूह (बटुलिया)	कोसी	25,979	20	1,299

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य						
क्रम सं.	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	कुल आय ₹
1	कुजगढ़	चम्पा देवी	2763	(भड़गाँव)	483	14,560
2	हैडवाटर्स	दुर्गा बाजनी	2131	दुर्गा समूह (दुधोली)	169	13,830
3	पनाई	साबुली देवी	354	जय मां भगवती समूह (कालिका)	190	9,720
4	कोसी	भगवती देवी	2618	ज्योति समूह (कूल)	175	4,375
5	माल्यागाड़	देवकी देवी	66	उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी)	267	3,701
6	दुसाद	जानकी जोशी	210	आंचल (तल्ली मिरई)	155	3,100
7	**हिमाचल**	**तारो देवी**	**278**	**(भेड़ेवाला)**	**140**	**9,100**

समीक्षा वर्ष **2021–22** में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले **108** सदस्यों में से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	**उत्पाद का नाम**	**उत्पाद (कि0ग्रा0)**	**मूल्य ₹**	**प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर**
1	स्ट्रॉबैरी	885	57,525	12%
2	आम	821	16,420	11%
3	माल्टा	817	14,908	11%
4	लहसुन	703	52,734	10%
6	खुमानी	694	18,797	10%
7	प्लम्	631	18,915	9%
8	कीवी	509	57,397	7%
9	अमरुद	455	9,096	6%
10	काग़ज़ी नींबू	448	19,308	6%
11	हरी मिर्च	323	13,104	4%
12	बड़ा नींबू	322	3,215	4%
13	नासपाती	281	1,405	4%
14	सेब	217	3,255	3%
15	अदरख	55	3,722	1%
16	प्याज़	43	935	1%

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय–विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **59** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **351** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, **₹ 20,88,054 (बीस लाख अट्ठासी हज़ार चौवन)** की आय अर्जित की। संचित रूप से नैट बिक्री का **75** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

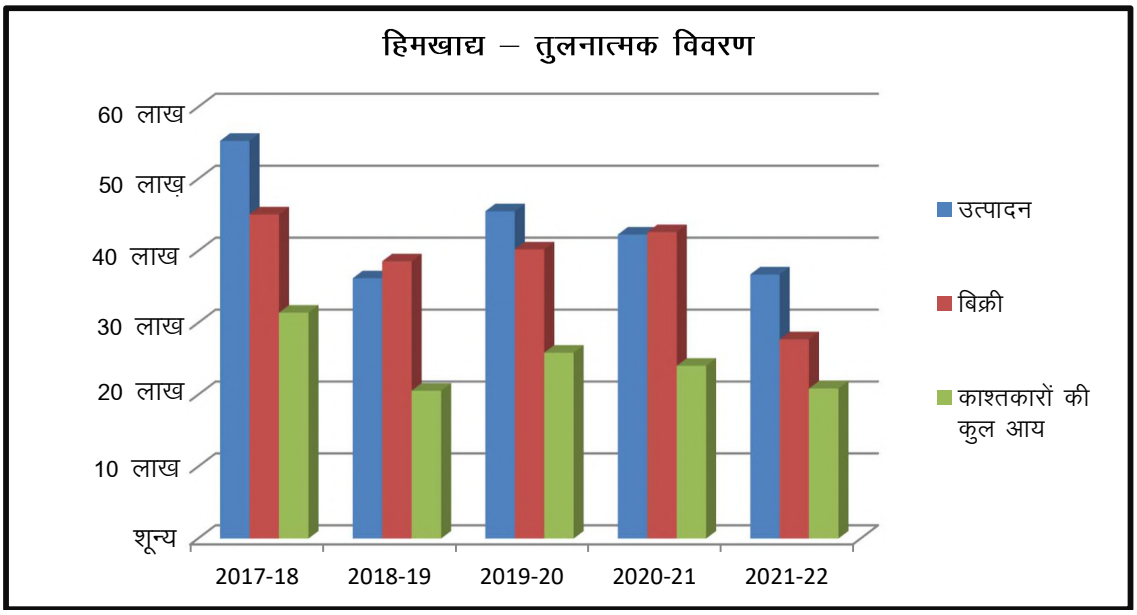

हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका							
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.	उत्पाद से आय ₹
1	अन्य	10	–	17	–	4,544	5,36,688
2	दुसाद	7	18	114	99	4,011	2,67,326
3	कोसी	5	4	41	41	2,311	2,16,037
4	कनाड़ी	9	12	66	36	1,020	55,391
5	हैडवाटर्स	4	6	22	22	344	29,302
6	रिसकन	1	1	12	10	699	28,319
7	माल्यागाड़	5	10	35	29	833	22,710
8	पनाई	3	5	12	10	407	10,896
9	सेमेश्वर	1	–	1	–	10	5,000
10	कुजगढ़	1	1	1	1	0.350	105
कुल (उत्तराखण्ड)		**46**	**57**	**321**	**248**	**14,179**	**11,71,774**
11	हिमाचल	15	2	30	4	4,636	9,16,280
कुल		**61**	**59**	**351**	**252**	**18,815**	**20,88,054**

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर					
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	ज्योति समूह (कूल)	कोसी	42,000	8	5,250
द्वितीय	किसान समूह (बटुलिया)	कोसी	1,08,050	21	5,145
तृतीय	बधाड़ देवता समूह (फड़ीका)	कोसी	39,330	9	4,370

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से						
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹
1	कोसी	ममता देवी	523	किसान (बटुलिया)	108	11,562
2	दुसाद	हेमा जोशी	144	विकास समूह (दड़माड़)	140	8,525
3	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	117	7,430
4	रिसकन	भगवती रौतेला	2620	ज्ञानद्वीप समूह (तिपोला)	179	6,801
5	हैडवाटर्स	लीला शर्मा	28	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	49	5,265
6	माल्यागाड़	जानकी देवी	2483	लक्ष्मी समूह (डिगोटी)	192	3,956
7	पनाई	बसन्ती देवी	–	हरियाली समूह (कालिका)	145	2,890
8	हिमाचल	प्रिक्षा देवी	263	खलोगेश्वर (भलग)	258	47,730

समीक्षा वर्ष **2021–22** में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले **351** सदस्यों में से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	अखरोट	4,402	8,67,230	23%
2	काला भट्ट	2,552	1,47,754	14%
3	झिंगोरा	1,839	45,955	10%
4	चौलाई	1,803	82,090	10%
5	तिल	1,583	2,32,786	8%
6	सरसों	1,245	1,00,405	7%
7	मडुवा	1,028	24,383	5%
8	हल्दी	954	93,675	5%
9	राजमा	777	1,20,980	4%
10	सोयाबीन	665	33,227	4%
11	लाल मिर्च	624	89,388	3%
12	गहत	360	50,400	2%
13	मूंग दाल	330	26,399	2%
14	मक्का आटा	135	4,050	1%

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	वर्ष	गाँव	काश्तकार	उत्पादन (किग्रा0)	आय ₹	बिक्री ₹
1	2017–18	24	178	299	1,19,119	5,51,380
2	2018–19	19	150	395	1,77,749	3,43,033
3	2019–20	13	118	461	2,07,487	3,60,655
4	2020–21	11	113	145	65,246	3,88,974
5	2021–22	7	38	35	17,250	4,33,855

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

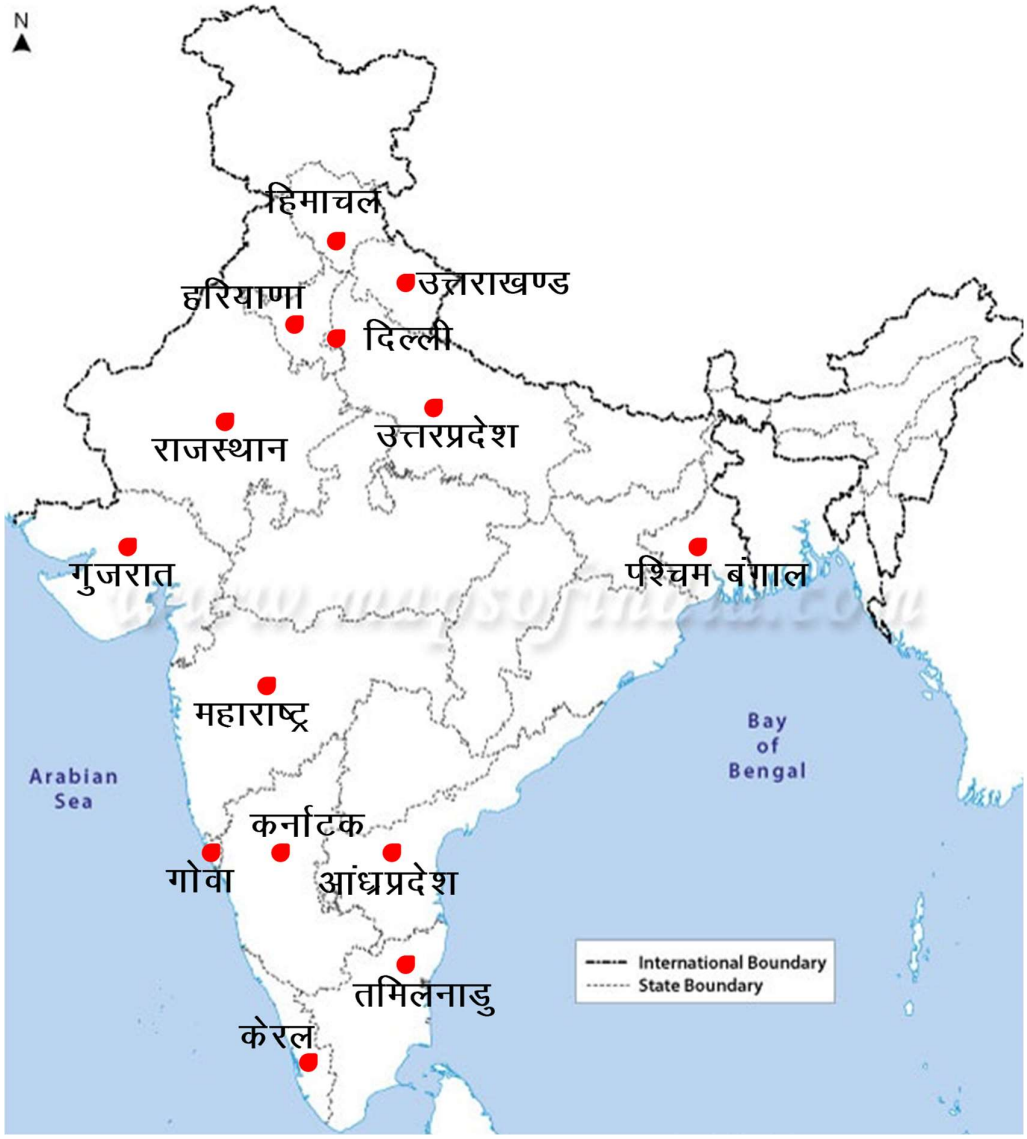

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंश धारक			उमंग उत्पादक				
				प्रतिभागी एस.एच.जी.	प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य	अंश धारक एस.एच.जी.	अंश धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	ताना बाना	मौन पालक	एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
1	छुसाद	8	146	20	138	18	130	114	3	95	—	—	65
2	गगास अन्य	4	69	5	67	5	68	—	2	68	—	—	1
3	हैडवाटर्स	4	33	6	33	6	33	22	20	—	—	—	9
4	कनाड़ी	10	77	13	69	11	47	66	3	27	—	—	18
5	कोसी	7	86	7	84	6	84	41	27	44	—	—	26
6	कुजगढ़	6	87	9	82	8	84	1	6	82	—	—	2
7	माल्यागाड़	5	42	10	40	9	36	35	4	10	—	—	6
8	अन्य	16	26	1	1	1	1	17	4	—	—	5	—
9	पनाई	4	55	8	50	7	44	12	29	34	5	—	21
10	रिसकन	1	12	1	10	0	10	12	—	—	—	—	—
11	सोमेश्वर	3	30	3	29	0	29	1	—	29	—	—	—
कुल (उत्तराखण्ड)		**68**	**663**	**83**	**603**	**71**	**566**	**321**	**98**	**389**	**5**	**5**	**148**
12	हिमाचल	18	40	2	5	2	8	30	10	—	—	—	—
कुल		**86**	**703**	**85**	**608**	**73**	**574**	**351**	**108**	**389**	**5**	**5**	**148**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों की आय	बुनकरों की आय	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	ताना बाना आय	कुल यौगिक आय
1	अन्य	5,36,688	50,082	—	—	4,42,350	—	**10,29,120**
2	हिमाचल	9,16,280	57,525	—	—	—	—	**9,73,805**
3	गगास अन्य	—	425	5,47,180	33,786	—	—	**5,81,391**
4	दुसाद	2,67,326	7,460	2,54,510	21,435	—	—	**5,50,731**
5	कुजगढ़	105	26,940	4,69,740	33,431	—	—	**5,30,216**
6	पनाई	10,896	44,740	1,69,240	6,684	—	1,23,320	**3,54,880**
7	कोसी	2,16,037	36,621	86,760	6,259	—	—	**3,45,677**
8	सोमेश्वर	5,000	—	1,41,340	11,367	—	—	**1,57,707**
9	कनाड़ी	55,391	1,395	48,385	3,595	—	—	**1,08,766**
10	हैडवाटर्स	29,302	61,462	—	—	—	—	**90,763**
11	माल्यागाड़	22,710	4,086	13,570	962	—	—	**41,328**
12	रिसकन	28,319	—	—	—	—	—	**28,319**
कुल अर्जित राशि		**20,88,054**	**2,90,736**	**17,30,725**	**1,17,519**	**4,42,350**	**1,23,320**	**47,92,703**

यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 41 प्रतिशत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

समेकित आजीविका विवरण (रूपया) :

क्रम	वर्ष	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों की आय	मौन पालकों की आय	बुनकरों की आय	ताना बाना आय	घरेलू पर्यटन से आय	दैनिक मजदूरी से आय	कुल यौगिक आय	सहभागी सदस्य	प्रति व्यक्ति औसत आय
1	**2009-10**	12,25,382	2,16,924	5,36,230	12,02,120	-	1,31,600	2,39,711	35,51,967	1,068	3,326
2	**2010-11**	4,04,000	3,65,000	9,49,000	11,09,000	-	2,41,000	2,88,000	33,56,000	1,047	3,205
3	**2011-12**	13,90,212	4,03,072	2,76,781	16,00,000	-	1,74,700	3,54,663	41,99,428	1,206	3,482
4	**2012-13**	20,53,633	3,17,489	2,79,436	20,65,183	-	2,10,000	3,30,888	52,56,629	1,327	3,961
5	**2013-14**	19,45,163	3,28,777	3,48,217	21,48,078	-	1,00,000	3,46,394	52,16,629	1,339	3,896
6	**2014-15**	25,02,163	4,79,816	5,11,629	19,19,061	-	2,12,700	4,47,800	60,73,169	1,419	4,280
7	**2015-16**	48,25,247	6,00,087	8,57,380	20,98,590	-	3,34,500	4,97,330	92,13,134	1,284	7,175
8	**2016-17**	29,66,520	5,14,241	7,30,275	19,91,757	-	2,50,000	4,29,650	68,82,443	1,050	6,555
9	**2017-18**	32,27,680	4,56,161	5,08,577	20,79,635	-	2,50,000	5,02,399	70,24,452	1,169	6,009
10	**2018-19**	21,49,332	3,88,110	6,77,196	13,79,407	55,554	2,50,000	3,49,956	52,49,555	878	5,979
11	**2019-20**	26,79,439	4,99,211	7,34,540	16,87,310	1,02,815	1,25,000	3,48,530	61,76,845	862	7,166
12	**2020-21**	24,04,013	3,42,484	1,32,145	11,85,682	69,285	-	3,10,166	44,43,775	830	5,354
13	**2021-22**	20,88,054	2,90,736	4,42,350	18,48,244	1,23,320	-	2,85,459	50,78,163	703	7,224
कुल राशि		**2,98,60,837**	**52,02,108**	**69,83,756**	**2,23,14,067**	**3,50,974**	**22,79,500**	**47,30,946**	**7,17,22,189**		

सफलता की ओर एक कदम....

मेरा नाम निकिता बिष्ट है। मेरे पति की मानसिक हालत ठीक न होने के कारण मेरे लिए अपने बच्चों का पालन पोषण कठिन हो गया था। एसे में मैंने उमंग के जीजाबाई स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर समूह की लीडर गीता मेहता व उमंग के सहयोग से, सिलाई और ब्यूटी पार्लर का काम सीखना और करना शुरू कर दिया। समूह से प्राप्त ऋण से मुझे आर्थिक सहायता मिली। आज मेरी अपनी दुकान है जिसमें मेरे साथ एक और महिला सिलाई के लिए कार्यरत है। अब मैं अपने बच्चों का लालन पालन ठीक तरह कर पा रही हूं।

मैं समाज को यह संदेश देना चाहती हूँ कि हमें जरूरतमंद और बेसहारा लोगों की साथ मिलकर मदद करनी चाहिए ताकि वो मेरी तरह आगे बढ़ पायें।

मल्ला सतीनौगाँव की मुन्नी देवी व मुझोली गाँव की देवकी देवी के लिए उमंग द्वारा गाय का प्रबन्ध किया गया जिससे वह दूध बेचकर छः से सात हजार रूपया मासिक आय प्राप्त कर रहे हैं, तथा कुलसीबी गाँव की उमा देवी व बसर गाँव की हेमा देवी के लिए उमंग द्वारा बकरी का प्रबन्ध किया गया जिससे वह अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं।

सारांश

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **15** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा **₹ 20,54,290 (बीस लाख चौवन हज़ार दो सौ नब्बे)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **15** प्रतिशत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **1,427 (एक हज़ार चार सौ सत्ताइस)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने **₹ 2,85,459 (दो लाख पचासी हज़ार चार सौ उन्सठ)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 703 परिवारों ने ₹ 71,32,453 (इकहत्तर लाख बत्तीस हज़ार चार सौ त्रेपन) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ₹ 10,146) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक मण्डल

श्रीमती इन्द्रा रावत
मालरोड, रानीखेत
कार्यकारी निदेशिका

श्रीमती मंजू देवी,
मुझोली, माल्यागाड
अध्यक्ष

श्रीमती उमा देवी,
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती इन्द्रा कबडवाल,
उभ्याड़ी, दुसाद

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत

श्रीमती नीमा बिष्ट
डौड़ाखाल, कनाड़ी

श्रीमती ईश्वरी रावत
सुरना,हैडवाटर्स

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।